

VEDANTA

VEDAS

TANTRA

Letters of ॐ	The three states अवस्थात्रय	Quarters (पाद) of the Self (आत्मा)		The three bodies शरीरत्रय	The five sheaths पंचकोश
		व्यष्टि (microcosm)	समष्टि (macrocosm)		
अ	जाग्रत (waking)	वैश्वानर (विश्व)	विराट्	स्थूल (gross)	अन्नमय
उ	स्वप्न (dream)	तैजस	हिरण्यगर्भ	सूक्ष्म (subtle)	प्राणमय मनोमय विज्ञानमय
म	सुषुप्ति (deep sleep)	प्राज्ञ	ईश्वर	कारण (causal)	आनन्दमय

The seven lokas सप्तलोक
भूः
भुवः
स्वः
महः
जनः
तपः
सत्यम्

The six chakras षट्चक्र
मूलाधार
स्वाधिष्ठान
मणिपूर
अनाहत
विशुद्ध
आज्ञा

↑ ↑ ↑
भावमुख (अवतार)
↓ ↓ ↓

अमात्र	तुरीय अवस्थात्रयसाक्षी	= आत्मा ≡ ब्रह्म	शरीरत्रय अतीत	पंचकोश विलक्षण
--------	---------------------------	------------------	---------------	-------------------

लोकातीत

सहसार
